चंडीगढ़, रविवार 12 सितम्बर 2010 | तदनुसार 28 भाद्रपद विक्रमी सम्वत 2067 | Sunday 12 September 2010

पंजाब केसरी

डा. विभा चौरसिया तथा डा. आभा चौरसिया ने दी प्रस्तुति।

झीनी-झीनी बनी चदरिया...

पत्रिका
सोमवार
12 अप्रेल, 2010

जुगलबंदी ने बांधा समां

भजन संध्या का आयोजन

नवदुनिया | भोपाल, गुरुवार 8 अप्रैल 2010

श्रीद्वारिकाधीश मंदिर में गूंजेंगे उत्तर भारत के शास्त्रीय गीत

● 10 अप्रैल को भजन संध्या का आयोजन होगा

इटारसी। श्रीद्वारिकाधीश बड़ा मंदिर में 10 अप्रैल की संध्या को उत्तर भारतीय शास्त्रीय जुगलबंदी एवं भजन संध्या का आयोजन होगा। कार्यक्रम रोटरी, इनरव्हील एवं रोट्रेक्ट क्लब इटारसीके तत्वाधान में होगा। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय जुगलबंदी कलाकार और जुड़वा बहने डॉ आभा चौरसिया एवं डॉ विभा चौरसिया अपनी खास प्रस्तुति देंगी।

10 अप्रैल शाम 7.30 बड़ा मंदिर परिसर में उत्तर भारतीय शास्त्रीय जुगलबंदी एवं भजन संध्या का आयोजन होगा। कार्यक्रम में विशेष प्रस्तुति जुड़वा बहनें आभा चौरसिया एवं विभा चौरसिया की रहेगी। कार्यक्रम आयोजकों ने बताय कि आभा और विभाग ग्वालियर संगीत घराने की उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत में जुगलबंदी करने वाली एकमात्र गायिका है। कलाकार अब तक इंदौर, कलकत्ता, मुबंई, ग्वालियर, चंडीगढ, दिल्ली, वृंदावन, उज्जैन, सनावद व अन्य शहरों में अपनी आवाज की जादू बिखेर चुकी है।

अग्निबाण | इन्दौर, सोमवार 11 जनवरी 2010 | इंदौर सिटी

साजों की जुगलबंदी और दुर्लभ गीतों से सजी शाम

इन्दौर। कल शाम प्रेस क्लब सभागृह में म्यूज टेम्पल के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से सबको दिल मोह लिया। इन्हीं कलाकारों ने पिछले दिनों मुंबई में आशाजी के दुर्लभ गीतों के विमोचन समारोह में जो प्रस्तुति दी थी, वही प्रस्तुति लेकर वे यहां हाजिर हुए। उन्होंने साजों की जुगलबंदी और दुर्लभ गीतों से ऐसा समां बांधा कि सुनने वाले श्रोता स्वयं को धन्य महसूस कर रहे थे। इस मौके पर मुख्य अतिथि थे डीआईजी राउत, आईजी संजय राणा, अंजना तिवारी, आर.सी. वर्मा, अजातशत्रु, आकांक्षा जाचक। अतिथि स्वागत प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल, अन्ना दुराई, मनोहर लिम्बोदिया आदि ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत भजन से हुई। राग दरबारी पर आधारित हुए मन दर्पण कहलाए से शुरू हुआ गीतों का सफर सितारे हंसे जब कमल मुस्कुराए तुम्हारी कसम तुम बहुत याद आए, दो बूंदें सावन की, ठंडी-ठंडी सावन की फुहार के दुर्लभ गीतों के साथ देर रात तक चलता रहा। इस मौके पर अजातशत्रु को रूबरू सुनना भी सुकून पहुंचाने लायक था।

sunday

दैनिक भास्कर

रविवार, 12 सितंबर 2010

संगीत से बड़ी कोई साधना नहीं: आभा और विभा चौरसिया

सिटी भास्कर

गीतों से कृष्ण की भक्ति

दैनिक भास्कर | इटारसी | भोपाल · शुक्रवार · 9 अप्रैल 2010

मंदिर में होगी जुड़वा बहनों की जुगलबंदी

इटारसी | उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत में जुगलबंदी करने वाली इंदौर की आभा और विभा चौरसिया शनिवार 10 अप्रैल की देर शाम द्वारिकाधीश मंदिर परिसर में स्वर लहरियां बिखेरेंगी। भजन संध्या का यह आयोजन रोटरी, इनरव्हील और रोटरेक्ट क्लब के तत्वाधान में हो रहा है। बचपन से ही शास्त्रीय संगीत में लीन यह गायिकाएं जुड़वा बहनें हैं। दोनों ने भारतीय संगीत पर पीएचडी की है। देश-भर में अपने सुरों से अनूठी जुगलबंदी करने वाली डा. आभा और डा. विभा चौरसिया शनिवार की शाम साढ़े सात बजे से द्वारिकाधीश मंदिर परिसर में संगीत की प्रस्तुति देंगी। आयोजन के सूत्रधार रोटरी क्लब ने शहर के प्रबुद्ध श्रोता वर्ग को आमंत्रण पत्र बांटे हैं।

2010

भोपाल, सोमवार 26 जुलाई 2010 | पीपुल्स समाचार | 19

मन फूला-फूला फिरे...

गुरु पूर्णिमा पर विशेष संगीत सभा का आयोजन

मानव संग्रहालय

नईदुनिया | इंदौर, मंगलवार 19 जनवरी 2010 | इंदौर सिटी

जुगलबंदी हेतु दिल्ली आमंत्रित

इंदौर। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर दिल्ली द्वारा शास्त्रीय संगीत की युवा गायिकाओं डॉ. आभा और डॉ. विभा चौरसिया को शास्त्रीय गायन 'जुगलबंदी' के लिए दिल्ली आमंत्रित किया गया है। यह शास्त्रीय गायन जुगलबंदी प्रस्तुत करने वाली महिला गायिकाओं की एकमात्र जोड़ी है। गौरतलब है कि दोनों बहनें प्रसिद्ध गायिका कल्पना झोकरकर से प्रशिक्षण ले रही हैं। साथ ही ये दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, भोपाल, ग्वालियर आदि स्थानों पर प्रतिष्ठित मंचों से सफल प्रस्तुतियाँ दीं।

स्वदेश | भोपाल, 26 जुलाई 2010

श्रृंगार के साथ गूंजी भक्ति रस की स्वरलहरियां

कला प्रतिनिधि

मानव संग्रहालय में संगीत संध्या

नईदुनिया | इंदौर, रविवार 18 अप्रैल 2010 | इंदौर सिटी

स्वरधारा में लगाए गोते

इंदौर। महफिल सुरों की, बात संगीत की और कलाकार एक से बढ़कर एक। ऐसे में श्रोताओं का भाव-विभोर होना लाजमी था। अवसर था संगीत संकल्प के 'नवागत स्वर' का, जिसमें आभा-विभा चौरसिया और जयंत केजकर के गायन तथा पूनम जोशी के सितारवादन का रंग चढ़ा। साधनारत कलाकारों को मंच प्रदान करने हेतु संस्था की इंदौर शाखा के इस आयोजन में लोक संस्कृति मंच की मुद्रा शास्त्री, संगीत संकल्प दिल्ली के निदेशक डॉ. मुकेश गर्ग और उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत अकादमी भोपाल के अध्यक्ष उल्हास तेलंग आदि उपस्थित थे।

गाँधी हॉल में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत में पंचम निषाद संगीत संस्थान के विद्यार्थियों ने संकल्प गीत गाया। इसके बाद आभा-विभा चौरसिया के युगल गायन ने समाँ बाँधा। उड़िया कल्याण राग की दो बंदिशें इन्होंने सुनाईं, जिसमें विलंबित एकताल में पारंपरिक रचना 'आज सो बना' गाई। इसके बाद मध्यलय त्रिताल में 'मोरे घर आ जा' सुनाई। जब बात सितारवादन की छिड़ी तो उदयपुर की पूनम जोशी ने सितार के तार झंकृत करते हुए राग बागेश्री में आलाप, जोड़, झाला बजाया।

उल्हास तेलंग ने मारू बिहाग में पारंपरिक रचना 'रसिया हो ना जा' की मधुर प्रस्तुति दी। इन कलाकारों के साथ विलास खरगोनकर, अभय माणके, दीपक खड़तकर व राजू जोशी ने संगत की। इस अवसर पर शंकर लालवानी, शोभा चौधरी, सुनील मसूरकर, दीपक लवंगड़े आदि भी उपस्थित थे।

2011

पत्रिका सोमवार 3 जनवरी, 2011

जुगलबंदी ने मोहा मन

जैन संगीत महाविद्यालय में विभा-आभा की प्रस्तुति

इंदौर. संगीत रसिकों के लिए साल का पहला रविवार सुरों की अद्भुत व अद्वितीय जुगलबंदी लेकर आया। जैन संगीत महाविद्यालय में आयोजित इस जुगलबंदी में विभा चौरसिया व आभा चौरसिया ने एक से बढ़कर एक सुरीली व लयबद्ध प्रस्तुति देकर श्रोताओं का मन मोहा। सुरीली जुगलबंदी की शुरुआत राग मधुमती से हुई। ऐ लाल के नैना... बोल में विलंबित ख्याल एक ताल में पेश किया गया। इस सुरमयी आगाज के साथ ही शुरू हुई सुरों की वह बरसात, जिसने श्रोताओं को अंत तक भिगोए रखा। हारमोनियम पर दीपक कलटकर व तबले पर विनय बिंदे ने साथ दिया।

पवन पुरवाई बहे...

कार्यक्रम में दूसरी प्रस्तुति पवन पुरवाई बहे... की हुई। तीन ताल में प्रस्तुत हुए इस निबद्ध को श्रोताओं ने सराहा। इसके बाद राग रागेश्री झपताल में प्रथम सुर गायन को भी काफी सराहा गया। राग खमाज में दादरा की जैसी हो जाओ कदर नाही बोली... की प्रस्तुति हुई, वैसे ही माहौल में अलग रंग घुल गया। अंतिम प्रस्तुति कबीर के भजन लाग्यो यार फकीरी में... के रूप में दी गई।

दैनिक भास्कर इंदौर, मंगलवार, 29 मार्च 2011

स्टेज पर आभा-विभा की खास जुगलबंदी

कलाकार

सिटी रिपोर्टर. इंदौर

भास्कर सेक्टर-8 स्थित रेसकोर्स रोड की डॉ. आभा और डॉ. विभा चौरसिया शास्त्रीय ख्याल गायन और सुगम संगीत की कलाकार हैं। ग्वालियर घराने से ताल्लुक रखने वाली ये दोनों बहनें भारत में संभवतः एकमात्र जोड़ी है जो ख्याल गायन में जुगलबंदी करती हैं।

आभा बताती हैं गायन में रुचि तो बचपन से ही रही है लेकिन जुगलबंदी की शुरुआत करीब 10 साल पहले संगीत

बैठक के कार्यक्रम में की थी, जिसे श्रोताओं ने काफी सराहा था। विभा बताती हैं हमने ग्वालियर घराने की डॉ. लीलावती अदसुले, डॉ. शशिकांत तांबे, डॉ. सुवर्णा वाड और पं. [illegible] से संगीत की तालीम ली है। [illegible] हमने दिल्ली में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, [illegible] चंडीगढ़ में प्राचीन कला केंद्र, [illegible] भोपाल के भारत भवन, उज्जैन आदि स्थानों पर समारोह में प्रस्तुतियां दी हैं। संगीत में किए गए कई शोध [illegible] में प्रकाशित हुए हैं। हमने संगीत में एमए, एमफिल, पीएचडी और नेट भी किया है।

नईदुनिया इंदौर, बुधवार 5 जनवरी 2011

मीठी और भावपूर्ण प्रस्तुति

जैन संगीत विद्यालय में नववर्ष पर सुरों की बौछार

इंदौर। जैन संगीत विद्यालय के तत्वावधान में नववर्ष के उपलक्ष्य में गायिका डॉ. आभा एवं डॉ. विभा चौरसिया का गायन दिव्यायन सेवा संस्थान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आरंभ राग मधुवंती से किया गया। फिर रागेश्वरी में छोटा ख्याल की बंदिश की मधुर प्रस्तुति दी गई। कबीर एवं मीरा के भजनों के साथ समापन किया गया। आवाज में मिठास, विभिन्न घरानों के मेल और भावपूर्ण गायिकी कार्यक्रम की विशेषता रही। हारमोनियम पर दीपक खलतकर ने व तबले पर विनय बिंदे ने संगत की।

नगरकथा इटारसी रविवार, 04 अप्रैल 2010 5

डॉ. आभा विभा चौरसिया का गायनः एक आध्यात्मिक -आत्मिक उत्कर्ष

यह कहना अतिशयोक्ति न होगी कि साहित्य हमें नितांत समकालीनता के बाड़े में बांधता लगता है, कुमार गंधर्व नयी मुक्ति देते हैं और पूरी परंपरा को हमारा घर बनाते हैं उस सबको हमारे सीधे अनुभव के दायरे में लाते हैं जो हमारा उत्तराधिकार हैं. प्रसिद्ध लेखक अशोक बाजपेयी कुमार गंधर्व के संदर्भ में सही कहते हैं कि एक अच्छा शास्त्रीय गायक काव्य की नयी परम्परा बनाता है वह तुलसी, मीरा, कबीर और नानक आदि को गाते हुये भक्ति काव्य के प्रति समूची पीढ़ी को संस्कारित करता है.

शास्त्रीय संगीत भक्ति काव्य के प्रति हमारी समूची पीढ़ी का ध्यान आकर्षित करता है आज भी पीढ़ी का मन आधुनिक संगीत के शून्य तत्व से स्मृतिहीन हो गया है. शास्त्रीय संगीत ने भक्ति काव्य को नयी प्रतिष्ठा दी है और आज समूची भारतीय परम्परा से नयी पीढ़ी शास्त्रीय संगीत के माध्यम से जुड़ी है. आज भी गुरुद्वारों और दक्षिण भारत के मंदिरों में संगीत के माध्यम से ईश्वर की उपस्थिति को महसूस किया जाता है इटारसी में रोटरी क्लब, इनर्व्हील और रोट्रेक्ट क्लब इटारसी के संयुक्त तत्वाधान में भारतीय शास्त्रीय संगीत की एकमात्र जुगलबंदी गायिका डॉ. आभा और डॉ. विभा चौरसिया का गायन कार्यक्रम परम्परा से जुड़ने का ही एक पवित्र प्रयास है. डॉ. आभा और डॉ. विभा चौरसिया ने देशभर में राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों में प्रस्तुतियां दी हैं इनमें दिल्ली, कलकत्ता, मुम्बई और चंडीगढ़ आदि की प्रस्तुतियां प्रमुख हैं वर्ल्ड स्पेस रेडियो पर भी उनके गायन को सुनाया जा चुका है यूनाइटेड के सुरतरंग रेडियो से भी उनके गायन का प्रसारण हुआ है किंगडम/आभा और विभा जुड़वां बहनें हैं दोनों बहनें बचपन से ही संगीत आराधना में लीन रही हैं भारतीय शास्त्रीय संगीत के सागर में डूबकर दोनों बहनों ने अपना जीवन संगीत अराधना में समर्पित कर दिया है. अब उनके गायन का लक्ष्य स्वयं अपना और अपने श्रोताओं का आत्मिक उत्कर्ष है यह उनको ईश्वरीय देन है.

ग्वालियर संगीत घराने की इन बहनों ने प्रसिद्ध संगीत गुरूओं से प्रशिक्षण प्राप्त किया है जिनमें डॉ. शशिकांत ताम्बे, डॉ. लीलावती अदसुले, डॉ. स्वर्णा वैद और श्रीमती कल्पना जकरकर प्रमुख हैं. इन जुड़वां बहनों के माध्यम से जैसे प्रकृति के माध्यम से कोई बड़ा उद्देश्य प्राप्त कर लेना चाहती है आभा और विभा ने भारतीय शास्त्रीय संगीत में खैरागढ़ विश्वविद्यालय से स्नातक और स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है. भारतीय शास्त्रीय गायन में एम.ए. परीक्षा में विभा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मैडल प्राप्त किया तो आभा द्वितीय स्थान पर रहीं. इन दोनों बहनों ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर से भारतीय शास्त्रीय संगीत पर पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है. इसके पूर्व इन्होंने एम.फिल. की उपाधि भी प्राप्त की थी. यू.जी.सी. की नेट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली इन जुड़वां बहनों के नाम कई-कई उपलब्धियां हैं. आभा और विभा एक संगीत संस्थान शारदा संगीत अकादमी 8/1 रेसकोर्स रोड, इंदौर 452003 संचालित कर रही हैं. इटारसी में इन बहनों का गायन एक बहुत बड़ी उपलब्धि के रूप में याद किया जायेगा. इन बहनों की वेबसाईट पर जाकर इनके बार में और भी अधिक जानकारियां प्राप्त की जा सकती हैं एवं उन्हें सुना भी जा सकता है. www.abhavibha.com

2012

दैनिक जागरण

वाराणसी, सोमवार, 17 सितंबर, 2012 — नगर संस्करण — मूल्य ₹ 2.50
सृष्टि के सर्जक सृजन के साधक

जुगलबंदी : आभा व विभा ने की सुरों की बारिश

नवरंग की संगीत संध्या

महिला जुगलबंदी में गायन प्रस्तुत करतीं आभा व विभा।

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया
सोमवार, 17 सितंबर 2012, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
www.livehindustan.com

जुगलबंदी पर आनंदित हुए रसिक

अमर उजाला कॉम्पैक्ट

मनमोहक गीतों ने बांधा समा

महिला जुगलबंदी में सजा आभा और विभा का जादू

पीपुल्स समाचार

नया जमाना नया अखबार

बरसन लागी बदरिया...

वाराणसी — अमर उजाला

वाराणसी। सोमवार। 17 सितंबर 2012

नवरंग के कार्यक्रम में गायन प्रस्तुत करतीं आभा एवं विभा चौरसिया।

गायन में युगलबंदी का उठाया लुत्फ

वाराणसी। कन्हैया लाल स्मृति भवन में रविवार की शाम गायन में युगलबंदी का लोगों ने लुत्फ उठाया। इंदौर से आईं डॉ. आभा चौरसिया और विभा ने दादरा व भजनों की मोहक प्रस्तुति की। छोटा ख्याल की बंदिश कल नहिं आए पिया बिन...से महफिल को निखार दिया। झीनी झीनी चदरिया..., मन लाग्यो मेरो यार... भजन पसंद किए गए। तबले पर नंद किशोर मिश्र, हारमोनियम पर विजय मिश्र ने संगत की। यह प्रस्तुति नवरंग की ओर से की गई। संचालन प्रतिमा सिन्हा ने किया।

पत्रिका

शुक्रवार, 28 दिसंबर 2012

जस्ट campus research

रागों को सहेजा नई पीढ़ी के लिए

संगीत में क्रिएटिविटी होती रहती है। लगातार नए राग बन रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि इन नए रागों को सहेजा जाए। रिसर्च वर्क में ऐसे ही रागों को सहेजा ताकि संगीत के स्टूडेंट्स और संगीतप्रेमी को इनकी जानकारी उपलब्ध हो सके।

रिसर्चर : डॉ. विभा चौरसिया
संस्थान : देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी
प्रोजेक्ट : भारतीय संगीत में राग रचना की अवधारणा, विकास परंपरा व प्रयोग धर्मिता
गाइड : डॉ. लीलावती अड़सुले

दैनिक जागरण

जुगलबंदी : आभा व विभा ने की सुरों की बारिश

नवरंग की संगीत संध्या

दैनिक जागरण

सृष्टि के सर्जक सृजन के साधक

जुगलबंदी : आभा व विभा ने की सुरों की बारिश

नवरंग की संगीत संध्या

महिला जुगलबंदी में गायन प्रस्तुत करतीं आभा व विभा।

i next

हर दिन एक नई शुरुआत
वर्ष : 5, अंक : 293, वाराणसी
Monday , 17 September 2012

जुगलबंदी

2013

City भास्कर
dainikbhaskar.com
TUESDAY, 13 AUGUST, 2013

EVENT TODAY

लोकगायन में श्रीराम की महिमा का बखान आज

आभा-विभा चौरसिया

• सिटी रिपोर्टर भोपाल

तुलसी जयंती के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में आयोजित होने वाले दो दिवसीय उत्सव 'तुलसी पर्व' में मंगलवार को शाम 7 बजे फैजाबाद की कलाकार वंदना मिश्रा अवधी लोकगायन में श्रीराम की महिमा का बखान करेंगी। श्रीमती मिश्रा ने कई राष्ट्रीय समारोहों के अलावा देश के प्रमुख सांस्कृतिक केंद्रों में अवधि लोक गायन की प्रस्तुति दी है।

आभा-विभा की प्रस्तुति कल

समारोह के दूसरे दिन 14 अगस्त को इंदौर की आभा-विभा चौरसिया संत तुलसीदास के पदों की प्रस्तुति देंगी। ग्वालियर घराने की सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायिकाएं आभा और विभा का बचपन से ही गायन के प्रति रुझान रहा है। उन्होंने कई प्रतिष्ठित संगीतज्ञों से गायन की विधिवत शिक्षा प्राप्त की है। कार्यक्रम का शुभारंभ जनसंपर्क एवं संस्कृति मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा करेंगे। इन आयोजनों में श्रोताओं का प्रवेश नि:शुल्क रहेगा।

नईदुनिया
इंदौर, मंगलवार 03 दिसंबर 2013

दिल्ली में गूंजेगी आभा विभा की जुगलबंदी

इंदौर। लोककला मंच दिल्ली द्वारा शनिवार 7 दिसंबर को क्लासिकल कॉन्सर्ट का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में इंदौर की जानी-मानी गायिकाएं आभा चौरसिया और विभा चौरसिया शास्त्रीय गायन की जुगलबंदी पेश करेंगी। विलंबित और द्रुत रचनाओं में राग-रागिनियों की प्रस्तुति के साथ ही शास्त्रीय संगीत के इस कार्यक्रम के दौरान वे उपशास्त्रीय रचनाएं और सगुण व निर्गुण भक्ति रचनाएं भी सुनाएंगी। दोनों बहनों ने गायन की तालीम लब्ध प्रतिष्ठित गायिका लीलावती अड़सुले से ली। इसके अलावा शशिकांत तांबे, कल्पना झोकरकर से भी उन्होंने शास्त्रीय गायकी के गुर सीखे। चौरसिया बहनें आकाशवाणी से भी युगल गायन के कार्यक्रम पेश करती रही हैं। गौरतलब है कि आभा और विभा कोलकाता, चंडीगढ़, जयपुर, बनारस, मुंबई, वडोदरा, ग्वालियर आदि शहरों में अनेक संगीत कार्यक्रमों में प्रस्तुति दे चुकी हैं। दोनों बहनों के रिसर्च आर्टिकल कई पत्रिकाओं में पब्लिश हो चुके हैं। उन्हें 'प्राइड ऑफ मध्यप्रदेश' अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है।

3 Hindustan Times e-Paper - Hindustan Times (Bhopal) - 17 Aug 2013 - Page #19

'TULSI PARV' woo Bhopalis

A two day cultural concert dedicated to the great poet Tulsidas Ji entitled "Tulsi Parv" was organised by Adivasi Lokkala evam Boli Vikas Akademi at Madhya Pradesh Tribal Museum concluded with devotional songs presented by duet singers Abha-Vibha Chaurasia on August 14.

On the first day, Vandana Mishra and her group enthralled audience by presenting Awadhi folk music based on Lord Rama. Vadana began her presentation with a song 'sawan maas suhawan, atiman bhavan' marking the birth of saint Tulsidas.

She later, very beautifully elucidated her performance that explored the different phases and moments that is from birth of Shri Rama to the marriage of Rama. She was accompanied by Vikas Tripathi on Tabla, Abhishek on Organ, Krishnanarayan on Dholak, Vishwanath Sharma on Naal, Ramesh Mohd. Zakir on Keypad.

Abha-Vibha Chaurasia mesmerised audience and music lovers by presenting poems of Saint Tulsidas ji in the Sangrahalaya on the concluding day.

The programme began with Ganesh Vandana which was followed by Shri Ram stuti and other devotional bhakti songs centered of ShriRama. The singers were accompanied by Pt. Jitendra Sharma on Harmonium, Shri Sanjay Mandloi on Tabla, Shri Amit Seetha on Synthesizer and Shri Jay Kushwah on Side Rhythm. HTC

City भास्कर
dainikbhaskar.com FRIDAY, 17/01/2014

2014

नवदुनिया
www.naidunia.com

सुरीले अहसास से भरी एक शाम

CLASSICAL MUSIC

रवींद्र भवन सभागार में गुरुवार को आयोजित विशेष संगीत संध्या में ध्रुपद गायक रमाकांत-उमाकांत गुंदेचा और डॉ. आभा-विभा चौरसिया ने दी शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति।

• सिटी रिपोर्टर भोपाल

डॉ. आभा-विभा चौरसिया।

PHOTO : HC VERMA

राग यमन से शुरू हुई संगीत संध्या

गुंदेचा बंधुओं ने श्रोताओं को कराई संगीत की दुनिया की रोमांचक सैर

पत्रिका
BHOPAL FRIDAY, 17.01.14

सुरें ने घोली मिठास

रवीन्द्र भवन - आभा-विभा चौरसिया और उमाकांत-रमाकांत गुंदेचा ने दी प्रस्तुति

plus रिपोर्टर

भजनों ने मोहा

ध्रुपद में जुगलबंदी

नवदुनिया

रवींद्र भवन में रामकृष्ण मिशन आश्रम की संगीत संध्या का समापन

सुरों की महफिल में रागों ने घोली मिठास

राग यमन में विलंबित एक ताल

गुंदेचा बंधुओं ने जीत लिया श्रोताओं का दिल

नवदुनिया
www.naidunia.com

रवींद्र भवन में रामकृष्ण मिशन आश्रम की संगीत संध्या का समापन

सुरों की महफिल में रागों ने घोली मिठास

राग यमन में विलंबित एक ताल

गुंदेचा बंधुओं ने जीत लिया श्रोताओं का दिल

दैनिक भास्कर
भारत का सबसे बड़ा समाचार पत्र समूह
भोपाल शुक्रवार, 17 जनवरी, 2014

सुरीले अहसास से भरी एक शाम

CLASSICAL MUSIC

रवींद्र भवन सभागार में गुरुवार को आयोजित विशेष संगीत संध्या में ध्रुपद गायक रमाकांत-उमाकांत गुंदेचा और डॉ. आभा-विभा चौरसिया ने दी शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति।

• सिटी रिपोर्टर भोपाल

डॉ. आभा-विभा चौरसिया।

PHOTO : HC VERMA

राग यमन से शुरू हुई संगीत संध्या

गुंदेचा बंधुओं ने श्रोताओं को कराई संगीत की दुनिया की रोमांचक सैर

City भास्कर
dainikbhaskar.com WEDNESDAY, 08/01/2014

रवींद्र भवन में 15 और 16 को संगीत सभा

EVENT NEXT IN CITY

• सिटी रिपोर्टर भोपाल